आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–07 नवम्बर 2024 भोजपुरी समाचार

भगवान सुरूज क उपासना क चारि दिन क महापरब छठ क आजु तिसरका दिन हौ। काल्हि खरना क अनुस्ठान पूरा कइले के बाद निर्जल बरत रक्खे वाले सरधालु आजु संझा डूबत भगवान सुरूज के अरधा दे के परिवार के खुसहाली बदे भगवान सुरूज अउर छठ माता से मंगल कामना कइलें। बिहने उग्गत सुरूज के अरघा दिहले के साथे बरत पूरा होई। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अउर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेसवासियन के छठ महापरब क बधाई दिहले हवें। येह मौका पर मुख्यमंत्री भोजपुरी बोली में एगो सुभकामना सनेसा जारी कइलें–

लोक आस्था, प्रकृति प्रेम, पवित्रता और सूर्योपासना के महापर्व छठ पर हमरे तरफ से आप सब माता–बहने और भोजपुरी समाज के लोगन के बहुत–बहुत मंगलकामना। छठी मइया के कृपा से हमरे प्रदेश में सबके जीवन में सुख अउर खुसहाली बनल रहे, येही प्रार्थना बा। जय जय छठी मइया।

मुख्यमंत्री आजु संझा लखनऊ के लक्ष्मण मेला पार्क में गोमती नदी के किनारे आयोजित छठ पूजा कार्यक्रमों में पहुंचलें। एइजा उहां के डूबत सुरूज के अरघा दे के प्रदेसवासियन के खुसहाली बदे मंगल कामना कइलें।

ओहर, प्रदेस के कई हिस्सन में सरधालु छठ बरत क पारम्परिक गीतिनि अउर गाजा–बाजा के बिच्चे अपने परिवार के लोगिन के साथे आजु डूबत भगवान भास्कर के अरघा देवे बदे छठ घाटन पर पहुंचलें। बनारस में गंगा नदी के चौरासी घाटन पर अस्त होत सुरूज के अरघा देवे बरे सरधालुअन क हुजूम उमड़ि परलं गोरखपुर में राप्तियो नदी के किनारे छठ पूजा बदे भारी भीड़ि उमड़लि। बिहार के सीमा से लागल कुशीनगर के सथहीं पूरबी उत्तर प्रदेस के कई जिलन में छठ परब सरधा–भक्ति अउर हंसीखुसी के साथे मनावल जा रहल हौ। हमरे कुशीनगर प्रतिनिधि क एगो रिपोर्ट–

कुशीनगर जिले में सरोवरों तथा नदी किनारे बने छठ घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। जिले के तुर्कपट्टी स्थित प्राचीन सूर्य मन्दिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी हुई है। छठ महापर्व के कल चौथे दिन व्रती महिलाएं उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर अपना व्रत सम्पन्न करेंगी। विवेक पाण्डेय आकाशवाणी समाचार, कुशीनगर।

****

केन्द्रीय पर्यावरण, वन अउर जलवायु परिवर्तन मंत्रालय पराली जरवले पर जुर्माना दुगुन्ना कइ दिहले हौ। सरकार काल्हि राष्ट्रीय राजधानी अउर ओकरे लग्गे के इलाकन में पराली जरवले से सम्बन्धित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग क नया संसोधित नियम अधिसूचित कइले हवे। नया नियम के तहत दुइ एकड़ से कम जमीनि वाले किसानन के अब पांच हजार रूपिया जुर्माना देवे के होई जवन पहिले अढ़ाई हजार रूपिया रहल। दुइ से पांच सकड़ जमीनि वाले किसानन के दस हजार रूपिया पर्यावरण क्षतिपूर्ति देवे के होई। जवने किसानन के लग्गे पांच एकड़ से बेसी जमीनि हौ, उन्हें तीस हजार रूपिया पर्यावरण क्षतिपूर्ति देवे के होई।

****

मानवता क अमूर्त विरासत प्रयागराज महाकुंभ दुइ हजार पचीस में आवे वाले सरधालुअन के सरकार ढेरि से ढेरि सुविधा दिहले क कोसिस कइ रहलि हौ। येही क्रम में प्रयागराज रेल मण्डल महाकुंभ में पहली बेरि बहुभासीय उद्घोसणा कइले क इंतिजाम कइ रहल हौ। एकरे अलावा अलगि–अलगि राज्यन में लोगि अपने भासा में ट्रेन क जनकारी आसानी से ले सकिहें। प्रयागराज रेल मण्डल क वरिष्ठ जन सम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय बतवलें कि सज्जो मुख्य स्टेसनन पर हिन्दी अउर अंगरेजी भासा के साथे गुजराती, मराठी, तमिल, तेलगू, मलयालम, कन्नड़, बांग्ला, असमिया, उड़िया अउर पंजाबी भासो में ट्रेन के बारे में उद्घोसणा कइल जाई।

****

बनारस में विस्व प्रसिद्ध देव दीपावली क आयोजन पनरह नवम्बर के होई। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम बतवलें कि एकरे अलावा बारह से चउदह नवम्बर ले गंगा महोत्सव क आयोजन कइल जाई। देव दीपावली के मौका पर काशी के गंगा के किनारे लेजर सो क आयोजनों कइल जाई। येह मौका पर गंगा के किनारे करीब बारह लाख दीया बारल जाई। प्रदेस सरकार काशी क देव दीपावली के प्रान्तीय मेला में सामिल कइले हौ।

****

अजोध्या में भगवान राम क मंदिर के सामने महर्षि वाल्मीकियो क मंदिर बनावल जाई। आजु राम मंदिर निर्माण समिति क बइठकी के दुसरका दिन्ने समिति क चेयरमैंन नृपेन्द्र मिश्र कहलें कि राम मंदिर परिसर में सप्त मंदिर बनावल जा रहल हौ। राम मंदिर के पहिले महर्षि वाल्मीकि क मंदिर होई। महर्षि वाल्मीकि मंदिर के ठीक सामने सतवां मंदिर अगस्त मुनि क होई। उहां के बतवलीं कि सप्त मंदिर के बिच्चे में एगो छोटहन सरोवरो बनावल जाई, ओह सरोवर में सरधालु आचमन कइ के सप्त मंदिर क दरसन कइ सकिहें।

****

आजु राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनावल जा रहल हौ। एकर सुरूआति बरिस दुइ हजार चउदह में सात नवम्बर के भइल रहे। कैंसर जागरूकता दिवस क उद्देस्य कैंसर के रोके, जल्दी पहिचान अउर इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ावल हौ। येह मौका पर प्रदेस क कई जिलन में सरकारी अउर गैर सरकारी संस्थानन के ओरि से जागरूकता कार्यक्रम क आयोजन कइल गइल।

****